विविध प्रसंग



राहुल सांकृत्यान

पीपीएच पब्लिकेशन

Scanned with OKEN Scanner

दिसम्बर 1988
पुनः प्रकाशित 2008
कापिराइट © पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस (प्रा.) लिमिटेड,
नई दिल्ली – 110055

मूल्य : 75 रूपये

ISBN— 81-7007-088-0

पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस (प्रा.) लिमिटेड,
रानी झासी रोड, नई दिल्ली – 110055
फोन : 23523349, 23529823
ईमेल : pph5e@bol.net.in

शमीम फैजी द्वारा **आंकलन सॉफ्टवेयर (प्रा.) लिमिटेड**, नई दिल्ली, में मुद्रित और उन्हीं के द्वारा **पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस (प्रा.) लि.**, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली–110055 की तरफ से प्रकाशित।

Scanned with OKEN Scanner

सूची

ग्रन्थ प्रमाण	...	१
भारत में मानव विकास	...	३
प्रागैतिहासिक युग में किन्नर : एक परिचय	...	१७
भारतीय संस्कृति और जातिभेद	...	२०
इतिहास-पुराण	...	३३
शैव धर्म का इतिहास	...	३६
पंजाब : संस्कृतियों का समागम	...	४६
सुधार नहीं, क्रान्ति	...	५२
हेमचन्द्र विक्रमादित्य	...	५५
रहीम	...	६४
राष्ट्रभाषा हिन्दी	...	७३
महाकवि चतुर्मुख स्वयंभू	...	८०
मैं ल्हासा कैसे पहुंचा ?	...	८६
ल्हासा में	...	१०८
ञेनम की ओर	...	११५
लौटते समय नेपाल में	...	१२४
तिब्बत में तीसरी बार प्रवेश	...	१३५
तिब्बत में तालपोथियों के पीछे	...	१५३
तिब्बत-भारत का सांस्कृतिक सम्बन्ध	...	१६०
तिब्बत में बौद्ध-साहित्य	...	१६४
हमारा पुराना भूगोल	...	१७०
ग्राम-देवता और पुरातात्विक सामग्री	...	१७३
स्वर्गीय डा. काशी प्रसाद जायसवाल	...	१७७
भदन्त आनन्द कौसल्यायन	...	१८०

Scanned with OKEN Scanner

राहुल जी ने विपुल वाङ्मय की रचना की थी, जिसका बहुलांश पुस्तकों के जरिये प्रकाश में आ चुका है। किंतु अब भी उनकी काफी ज्ञान–राशि ऐसी है जो उनके जीवनकाल में छोटी–बड़ी पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित तो हुई पर वहीं दबी पड़ी रह गयी। उसे उचित प्रकाश नहीं मिल पाया। ये पत्र–पत्रिकाएं या तो उपलब्ध नहीं है या फिर संग्रहालयों–पुस्तकालयों के किसी उपेक्षित कोने में पड़ी हैं। ऐसी रचनाओं की खोज और प्रकाशन स्वयं में एक बड़ा कार्यभार है। यह पुस्तक इस दिशा में एक प्रयास है।

इसे [illegible] का उद्देश्य किसी [illegible] उनकी रचनाओं का संग्रह नहीं, बल्कि उपलब्ध रचनाओं को उनके वैदिध्य के साथ प्रस्तुत करना है।

इन रचनाओं में भारत में मानव [illegible] प्रागैतिहासिक युग में किन्नर, भारतीय संस्कृति और जाति–भेद, सुधार नहीं क्रांति जैसे समाजशास्त्रीय लेख; रहीम, हेमचन्द्र, विक्रमादित्य, महाकवि चतुर्मख स्वयंभू, स्वर्गीय काशीप्रसाद जायसवाल और भदन्त आनंद कौसल्यायन जैसे जीवन–परिचयात्मक लेख; और तिब्बत में तालपोथियों के पीछे, तिब्बत में तीसरी बार प्रवेश, ल्हासा में और जेनम की ओर जैसे यात्रा–वृत्तांत है; तो ग्रंथ–प्रमाण, ग्राम देवता और पुरातात्विक सामग्री, हमारा पुराना भूगोल और इतिहास पुराण जैसे ऐसे लेख भी हैं, जिन्हें किसी एक विषय की कोटि में नहीं बांधा जा सकता।

इन रचनाओं को जो चीज एक सूत्र में पिरोती है वह है राहुल जी का वैज्ञानिक और जनहितकारी चिंतन।

ISBN— 81-7007-088-0

Scanned with OKEN Scanner